हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, रविवार 5 अप्रैल 2026

14 हिसार में छाया सुपवा का फैशन शो, तालियों की...

14 राजस्व कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं, जल्द करें समाधान

खबर संक्षेप

मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य शुरू

हिसार। उपायुक्त एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र पाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों के आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत वर्ष 2002 की मतदाता सूची का मिलान वर्ष 2024 की मतदाता सूची से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए बी.एल.ओ. द्वारा शनिवार से अपने अपने मतदान केन्द्रों पर बैठकर मतदाता सूची का सत्यापन एवं मैपिंग का कार्य आरंभ कर दिया गया है।

कार चालक से मारपीट का तीसरा आरोपी काबू

हांसी। शेखपुरा पुलिस चौकी द्वारा कार चालक के साथ मारपीट कर लूट-पाट करने में संलिप्त एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। प्रोडक्शन वारंट पर लेकर की गई पूछताछ के दौरान आरोपी के पास से लूट-पाट की वारदात में लूटे गए रुपयों में से एक हजार रुपये बरामद किए गए। प्रोडक्शन वारंट पर गए आरोपी की पहचान पेटवाड़ निवासी अनिल के रूप में हुई है। यह जानकारी देते हुए चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक सिद्धार्थ ने बताया कि 22 फरवरी को पंजाब निवासी कार चालक गुरुप्यार ने चौकी में शिकायत दी थी कि वह अपने परिचितों को लेने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट जा रहा था और राजमार्ग स्थित रिछपुरा गांव के समीप अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी कार के आगे अपनी कार को लगाकर उसे रुकवा लिया।

अंडरपास की मांग को लेकर धरना जारी

उकलाना। अंडरपास की मांग को लेकर चल रहा धरना शनिवार को 78वें दिन में प्रवेश कर गया। धरना स्थल पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोगों का आवागमन हो रहा है और स्थानीय लोग लगातार अंडरपास निर्माण की मांग उठा रहे हैं। धरने पर बैठे लालचंद ने कहा कि ओवरब्रिज के निर्माण से रास्ते में दीवार खड़ी हो जाएगी, जिससे आम लोगों विशेषकर बुजुर्गों को रेलवे लाइन पार करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। धर्मपाल ने कहा कि अधिकारियों द्वारा केवल मौखिक रूप से यह बताया जाता है कि फाइल आगे भेज दी गई है, लेकिन आज तक उन्हें कोई लिखित जानकारी नहीं दी गई है।

बरवाला हलके में कांग्रेस की बैठक आज

हिसार। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बरवाला हलके में रविवार को कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में ग्रामीण कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बृजलाल बहबलपुनिया कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। बैठक में क्षेत्र के ज्वलंत मुदों किसानों की समस्याएं, गेहूं व सरसों की खरीद, पेट्रोल डीजल के बढ़ते दाम तथा गैस सिलेंडर की कमी पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जिसमें पार्टी की नीतियों और संगठन की मजबूती पर जोर दिया जाएगा।

आपूर्ति उपलब्धता वाले क्षेत्रों में घरेलू पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

शहर के जिन क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का बुनियादी ढांचा तैयार हो चुका है, वहां के सभी घरों के लिए अब पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य कर दिया गया है। यह निर्णय सुरक्षा, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। इस बारे में प्रदेश सरकार की तरफ से बकायदा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।पीएनजी कनेक्शन देने की सुस्त रफ्तार, करीब 1991 आवेदन लंबित, 3 महीने बाद बंद हो सकती है एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई।

इन क्षेत्रों के लिए निर्देश

सेक्टर 9-11, सेक्टर-13, सेक्टर-15, सेक्टर 16-17, मॉडल टाउन एक्सटेंशन, अर्बन एस्टेट-2, पुलिस लाइन एरिया और हिसार शहर के वे इलाके जहां गैस पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, वहां के निवासियों को तुरंत घरेलू पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन करना होगा।

वर्ष 2018 में शुरू हुआ था प्रोजेक्ट

केंद्र सरकार ने हरियाणा के शहरों में पीएनजी और सीएनजी नेटवर्क विकसित करने के लिए वर्ष 2018 में प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत हिसार शहर में 2028 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। बीच में ही कोरोना ने दस्तक दे दी, इसके चलते परियोजना को 1 जनवरी 2022 से प्रभावी रूप से शुरू किया गया। बाद में इसकी अंतिम समय सीमा 31 मार्च 2030 तय की गई। इस प्रोजेक्ट के तहत हिसार शहर के 2,51,370 घरों तक पीएनजी कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

कनेक्शन देने की सुस्त रफ्तार

सरकार ने उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन लेने के निर्देश तो जारी कर दिए, लेकिन कनेक्शन जारी करने वाली हरियाणा सिटी गैस कंपनी की रफ्तार काफी सुस्त है। कंपनी को 31 मार्च 2026 तक 71,222 कनेक्शन देने का लक्ष्य मिला था लेकिन अब तक केवल 1681 उपभोक्ताओं को ही कनेक्शन दिए जा सके हैं। कंपनी के पास करीब 1991 आवेदन लंबित हैं, जिनमें गैस लाइन से घरों तक कनेक्शन जोड़ना बाकी है। सूत्र बताते हैं कि कंपनी प्राप्त आवेदनों में से रोजाना मुश्किल से 10 कनेक्शन भी नहीं दे पा रही है। कंपनी द्वारा प्राप्त आवेदन तथा रोजाना दिए जा रहे कनेक्शनों को लेकर रिपोर्ट भी तलब की हुई है।

पीएनजी कनेक्शन देने की सुस्त रफ्तार, करीब 1991 आवेदन लंबित, 3 महीने बाद बंद हो सकती है एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई

तीन महीने की समय सीमा

नोटिस के अनुसार, संबंधित क्षेत्रों के सभी गृहस्वामियों या कानूनी निवासियों को इस सूचना के जारी होने के 3 महीने के भीतर अधिकृत गैस एजेंसी से पीएनजी कनेक्शन प्राप्त करना होगा। निर्धारित 03 महीने की अवधि समाप्त होने के बाद, संबंधित क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति नियमों के अनुसार बंद की जा सकती है। संबंधित क्षेत्रवासी किसी भी असुविधा से बचने के लिए तुरंत आवश्यक कार्रवाई करें। यह कदम सार्वजनिक सुरक्षा और आधुनिक ईंधन अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उत्सव आनंद, एडीसी

जनगणना की तैयारी तेज, ट्रेनिंग कल से

हिसार। नगर निगम क्षेत्र में आगामी जनगणना कार्य को सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इंचार्ज अधिकारी सचिव संजय शर्मा ने बताया कि 6 अप्रैल से 8 अप्रैल तक तीन दिनों तक यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। इसका उद्देश्य फील्ड में कार्य करने वाले कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संग्रहण के तरीके, तकनीकी पहलुओं और अन्य जरूरी दिशा-निर्देशों से अवगत कराना है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण दो अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

अनाज मंडी गेट के बाहर लगी ट्रैक्टर-ट्रालियों की लाइन, अव्यवस्थाओं के कारण किसानों ने जताई नाराजगी

गेट पास जारी नहीं होने से अनाज मंडी गेट पर किसानों का हंगामा, वेरिफिकेशन बनी बाधा

दूसरे जिलों से फसल बेचने आए किसानों को विशेष रूप से ज्यादा कठिनाई हो रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

गेहूं खरीद सीजन के शुरुआत में शनिवार को अनाज मंडी में अव्यवस्थाओं के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गेहूं लेकर मंडी पहुंचे किसानों को गेट पास जारी नहीं होने से मंडी में फसल की एंट्री रुक गई, जिससे गेहूं से भरी ट्रॉलियां लेकर किसान मंडी के बाहर ही फंसे रहे। समस्या का समाधान न होने पर किसानों ने मंडी गेट पर प्रदर्शन करते हुए काफी हंगामा किया। इस अवसर पर किसान नेता दशरथ मलिक ने बताया कि ऑनलाइन डेटा अपलोड नहीं होने और फसल वेरिफिकेशन में देरी के कारण गेट पास जारी नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान अपनी फसल लेकर मंडी तक पहुंच चुके हैं, लेकिन गेट पास के अभाव में उन्हें प्रवेश नहीं मिल रहा। दूसरे जिलों से फसल बेचने आए किसानों को विशेष रूप से ज्यादा कठिनाई हो रही है। हांसी अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान राम अवतार तायल ने बताया कि इस मुद्दे पर उच्च अधिकारियों से बात की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन किसानों को परेशानी हो रही है, मार्केट कमेटी के अधिकारी मौके पर ही उनका समाधान कर रहे हैं।

हांसी। अनाज मंडी गेट पर किसानों के साथ बातचीत करते मार्केट कमेटी अधिकारी।

हांसी। गेट पास नहीं मिलने के चलते अनाज मंडी के गेट पर खड़े ट्रैक्टर ट्रॉली

हांसी। गेट पास नहीं मिलने के चलते अनाज मंडी के गेट पर खड़े ट्रैक्टर ट्रॉली।

सरकार ने फसल खरीद प्रक्रिया बनाई जटिल : मलिक

दशरथ मलिक ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने फसल बेचने के लिए अनावश्यक तथा जटिल शर्तें लागू कर दी हैं, जिनका किसान यूनियन शुरू से विरोध करती आ रही है। उन्होंने 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की। मलिक के अनुसार, पोर्टल लंबे समय तक बंद रहने के बाद अब खुला है, पोर्टल बंद रहने के चलते आधे से अधिक किसानों ने अपनी फसल का ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कराया है, जिससे किसानों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

नहीं आने दी जाएगी दिक्कत : सचिव

मार्केट कमेटी के सचिव यशपाल सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया कि फसल बेचने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने किसानों से 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर अपनी फसल का पंजीकरण कराने की अपील की। साथ ही उन्होंने बताया कि गेहूं लेकर मंडी आने वाले ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट होना अनिवार्य है । उन्होंने बताया कि मंडी में तीन स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां फसल उतरने के बाद किसान अपनी बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता और किसानों के हित में है नई मंडी व्यवस्था : रणबीर गंगवा

हिसार। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा फसल खरीद को लेकर मंडियों में लागू की गई नई व्यवस्थाएं पूरी तरह से किसानों के हित में हैं। सिसे खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता आए और किसानों के हित सुरक्षित रह सकें। कैबिनेट मंत्री शनिवार को नई अनाज मंडी में फसल खरीद कार्यों और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मंडी में अधिकारियों, किसानों, आढ़तियों और व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। साथ ही उनकी कई प्रकार की शंकाओं का भी निवारण किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना है कि हमारे किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि मंडियों में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से लागू की गई हैं और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए।

किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मंत्री रणबीर गंगवा ने खरीद एजेंसियों और मंडी प्रशासन के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की ओर से ढिलाई बरती जाती है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मार्केट कमेटी चेयरमैन रवींद्र रॉकी, सतबीर वर्मा, मंडी एसोसिएशन के प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

हिसार। पंडित विनोद दुबे जी समागम में पहुंचे श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद।

त्रिकालदर्शी ज्योतिष शिरोमणि पंडित विनोद दुबे ने लगाया दिव्य दरबार

हिसार। देव आदि देव महादेव एवं मां भगवती की कृपा से हिसार में पहली बार सनातन धर्म के त्रिकालदर्शी ज्योतिष शिरोमणि पंडित विनोद दुबे (जबलपुर वाले) का ज्योतिष विज्ञान का चमत्कारी दिव्य दरबार सेक्टर 15 के सामुदायिक केंद्र में लगा। इसमें हजारों की संख्या श्रद्धालु उपस्थित रहे। त्रिकालदर्शी ज्योतिष शिरोमणि पंडित विनोद दुबे (जबलपुर वाले) का मंच पर पहुंचने पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। समागम प्रारंभ करने से पूर्व पंडित विनोद दुबे जी ने मां भगवती व भगवान शिव की आराधना की व उपस्थित श्रद्धालुओं को सामूहिक पूजन करवाया। इसके उपरांत समागम में पहुंचे श्रद्धालुओं की पर्ची के हिसाब से महाराज श्री ने समस्याओं का निदान किया। पंडित विनोद दुबे जी ने काफी मंत्रों का जाप करने का उपयुक्त मार्ग बताया।

इंश्योरेंस कंपनी का कर्मचारी बता महिला से 88 हजार रुपये ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

साइबर थाना पुलिस द्वारा खुद को इंश्योरेंस कंपनी का कर्मचारी बता कर महिला से इंश्योरेंस प्रीमियम के नाम पर 87,926 रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों के पास से ठगी किए गए रुपयों में से 80 हजार रुपये बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान पहचान उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर निवासी शिवम व योगेश के रूप में हुई है।

जांच अधिकारी एएसआई ने बताया कि हांसी निवासी एक महिला ने साइबर थाना में दी शिकायत में बताया कि उसने एक इंश्योरेंस कंपनी से पॉलिसी ले रखी है और 12 मार्च को उसके मोबाइल नंबर पर एक कॉल आई, जिसमें कॉलर ने स्वयं को दिल्ली स्थित इंश्योरेंस कंपनी का कर्मचारी बताया। महिला ने बताया कि आरोपियों द्वारा बार-बार फोन किए जाने पर वह उनके झांसे में आ गई और उसने उनके द्वारा बताए अनुसार 87,926 रुपये जमा करवा दिए। अगले दिन मुझे ठगी का अहसास हुआ, पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार पूछताछ के दौरान आरोपियों के कब्जे से ठगी की गई राशि में से 80,000 बरामद किए गए हैं। पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मंडियों में हेल्प डेस्क लगाकर किसानों की मदद करना पार्टी का सराहनीय फैसला : दलबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

इनेलो के प्रदेश सचिव दलबीर किरमारा ने पार्टी की ओर से मंडियो में हेल्प डेस्क लगाकर किसानों की सहायता किए जाने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने जन नायक चौधरी देवीलाल की नीतियों पर चलते हुए किसान हित में यह बड़ा फैसला किया है।

दलबीर किरमारा ने कहा कि मंडियों में हेल्प डेस्क लगाकर फसल लेकर आने वाले किसानों की मदद करना पार्टी का सराहनीय फैसला है। इससे साबित होता है कि इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला जमीन से जुड़े नेता है और वे किसानों की समस्याएं भली भांति समझते हैं। भाजपा सरकार ने जहां नई-नई शर्तें थोपकर किसानों को परेशान करने में कोई कमी नहीं छोड़ी वहीं इनेलो ने मानवता व किसान हित का परिचय देते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के माध्यम से किसानों की मदद करने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के इस फैसले से किसानों को काफी मदद मिलेगी।

प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन मिलना जरूरी : प्राचार्य

■ दयानंद कॉलेज में 'लाइफ साइंसेज में करियर के अवसर' पर व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दयानंद कॉलेज में जीव विज्ञान संकाय की ओर से 'लाइफ साइंसेज में करियर के अवसर' विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने इस प्रकार के व्याख्यानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन मिलना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे अपने करियर का सही चुनाव कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में सहायक होते हैं। साथ ही उन्होंने ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने पर बल दिया। प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. एसके गहलावत उपस्थित रहे। इस मौके पर वनस्पति विज्ञान विभाग से डॉ. आदित्य कुमार, डॉ. हेमंत, डॉ. छवि मांगला, जीव विज्ञान विभाग से डॉ. मीनाक्षी जिंदल, प्राध्यापक गरिमा एवं शुभम, तथा बायोटेक्नोलॉजी विभाग से डॉ. राजरानी, डॉ. ऋतु सहारन, डॉ. आशा रानी आदि मौजूद रहे।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि, प्राचार्य एवं अन्य।

गुजवि में राष्ट्रीय स्तर के महाकुंभ 'अक्षरम-2026' का दूसरा दिन

'अक्षरम' युवाओं के लिए विचारों का संगम : गंगवा

भारतीय संस्कृति को केंद्र बिन्दु में रख कर ही देश को विकसित बना सकते हैं : जे नंद कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महाकुंभ 'अक्षरम-2026' के दूसरे दिन का शुभारंभ अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और गरिमा के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर वंदे मातरम् तथा गुजवि के कुलगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जे. नंद कुमार, प्रो. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री, हितेश शंकर, राजेश, हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, सुपवा रोहतक कुलपति प्रो. अमित आर्य, रत्न चंद्र सरदाना, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई तथा प्रसिद्ध हरियाणवी लोक गायक बिंदर दनोदा और विनु गोड सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अतिथि रणबीर गंगवा ने कहा कि 'अक्षरम' विचारों का संगम है, जो युवाओं को नई दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह मंच युवाओं को अपनी पहचान बनाने का अवसर देता है और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।जे. नंद कुमार ने साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शब्दों की शक्ति अपार होती है, लेकिन जब शब्दों का गलत अर्थ लगाया जाता है तो वह समाज और राष्ट्र में विष घोलने का कार्य करता है। इसलिए साहित्य को सही दृष्टिकोण से समझना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को केंद्र बिन्दु में रख कर ही देश को विकसित बना सकते हैं।

हिसार। मुख्यातिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

महोत्सव में 'मीडिया का सच या झूठ' पर मंथन

अक्षरम महोत्सव के अंतर्गत मीडिया और सिनेमा पर एक विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजीव रंजन प्रसाद, रीमा गौतम एवं अतुल गगवा जी ने 'मीडिया का सच या झूठ' विषय पर अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने बताया कि आज के दौर में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके प्रस्तुतिकरण में सच और झूठ के बीच अंतर समझना भी जरूरी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं भी शांत कीं।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया
●
युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया
●
युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें
- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे
- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल
- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें
- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है
- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प
- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय
- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?
- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ
- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम
●
शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया
●
मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें
●
सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

शेयर बाजार में हाहाकार कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य

बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र आज

हिसार। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में 5 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक ध्यान : प्रेम उत्सव पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। इस ध्यान सत्र में ध्यान के महत्व को समझाते हुए ध्यान विधियों का अभ्यास करवाया जाएगा। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय व मां सांची ने बताया कि 5 अप्रैल के ध्यान सत्र के उपरांत जीवन जीने की कला सिखाने और ध्यान, प्रेम व ओंकार को समझाने के लिए 10 से 12 अप्रैल तक तीन दिवसीय मेडिटेशन कैंप का आयोजन किया। इस शिविर में पंजाब से आचार्य शेखर विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

स्टेशनरी वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम

हिसार। राजकीय प्राथमिक पाठशाला टीटीसी हिसार के प्रांगण में स्टेशनरी वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यापक राजकुमार जांगड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि टी.आर. फाउंडेशन के संचालक और टी.आर. ग्रुप के निदेशक आशीष अग्रवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पी.एम.श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ढंढूर की प्रधानाचार्या संगीता शर्मा ने की। इस अवसर पर टी.आर. फाउंडेशन की तरफ से राजकीय प्राथमिक पाठशाला व राजकीय माध्यमिक पाठशाला टीटीसी हिसार के 150 छात्रों को स्टेशनरी वितरित की गई। इस अवसर पर गुरेंद्र सहारण, अनिल कुमार, हरिकेश शर्मा, पूजा रानी, सुमन बाला, ज्योति आदि भी उपस्थित रहे।

दयानंद कॉलेज में पुस्तक का विमोचन

हिसार। दयानंद कॉलेज में शनिवार को शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में फिजिकल एजुकेशन विद पवन कुमार विश्वजीत (वॉल्यूम–1) पुस्तक का भव्य विमोचन किया गया। इस अवसर पर पुस्तक का विमोचन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के द्वारा किया गया। विमोचन के अवसर पर डॉ. विक्रमजीत सिंह ने पुस्तक के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पुस्तक शारीरिक शिक्षा के विद्यार्थियों, विशेषकर बी.पी.एड, एम.पी.एड एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी और मार्गदर्शक सिद्ध होगी। उन्होंने लेखक के अथक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक के लेखक पवन कुमार विश्वजीत ने भी अपने विचार सांझा किए।

मलिक ने वन्य प्राणियों के साथ मनाया जन्मदिन

हिसार। अपना जन्मदिन अपने परिवार व दोस्तों के साथ तो हर कोई मनाता है लेकिन आज लायंस क्लब हिसार डायमंड के सदस्य धर्मेंद्र मलिक ने अपना जन्म दिन वन्य प्राणियों के साथ मना कर एक मिसाल कायम की व सभी को वन्य प्राणी संरक्षण का सन्देश भी दिया। क्लब के प्रधान मुनीश सरदाना ने बताया कि लायंस क्लब हिसार डायमंड के सदस्यों ने वन्य क्षेत्र में जाकर वहां सैंकड़ों वन्य प्राणियों को केले, किशमिश, रोटी व बिस्किट भरपूर मात्रा में खिलाए। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट ट्रेजरर पवन सरदाना, प्रवीण नारंग, अनिल आहुजा, रमेश मेहता, अनिल अरोड़ा, मोहित भाटिया, अजय चोपड़ा, सुनील अग्रवाल, भूषण झांब आदि मौजूद थे।

जेजेपी किसान प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी घोषित

हिसार। जेजेपी किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बागबीर बेनीवाल ने जिला कार्यकारिणी की घोषणा की है। घोषित कार्यकारिणी में शमशेर सिंह ढुल को वरिष्ठ उप प्रधान नियुक्त किया गया है। उप प्रधान पद पर उमेद गढ़वाल (चिड़ौद), मांगेराम (मोहब्बतपुर), रामनिवास पूनिया (खरक पूनिया) और सतपाल भाकर (मय्यड़) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रधान महासचिव के रूप में रामदिया नैन (लितानी) को नियुक्त किया गया है। महासचिव पद पर अजय बासड़ा, ताराचंद बगला, ईश्वर और राजपाल सिहाग (पंघाल) को जिम्मेदारी दी गई है। जिला संगठन सचिव के रूप में जोगेंद्र पूनिया (डाबड़ा) को नियुक्त किया गया है।

महिला वर्ग में मारवाड़ी विवि राजकोट ने पहर विवि उदयपुर को 30-7 से हराया

पुरुष वर्ग गुजवि ने सीडीएलयू को कबड्डी में 38 अंकों से दी मात

- सर्कल स्टाइल कबड्डी में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम
- गुजवि में अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय सर्कल स्टाइल कबड्डी संपन्न

हिसार। अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय सर्कल स्टाइल कबड्डी में दमखम दिखाते खिलाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार (गुजविप्रौवि) के महाराणा प्रताप स्टेडियम में चल रही अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालय सर्कल स्टाइल कबड्डी (महिला) एवं (पुरुष) प्रतियोगिता के तीसरे दिन भी खिलाड़ियों में उत्साह के साथ अपना दम-खम दिखाया। प्रतियोगिता में जहां एक तरफ पुरुषों की खेल स्पर्धाएं समाप्त हुईं। वहीं महिलाओं की खेल स्पर्धाओं का भी शानदार आगाज हुआ। इस दौरान प्रतियोगिता में कबड्डी के हर मैच में रेड और टैकल का अद्भुत संगम दिखाई दिया। जिसका दर्शकों व विद्यार्थियों ने भरपूर आनंद उठाया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के पहले लीग मैच में गुजवि ने सीडीएलयू सिरसा को 38 अंकों से हराया। दूसरे लीग मैच में एमडीयू रोहतक ने सीआरएसयू जींद को 39 अंकों से हराया। तीसरे लीग मैच में एमडीयू रोहतक ने सीडीएलयू सिरसा को 6 अंकों से हराया। चौथे लीग मैच में गुजवि ने सीआरएसयू जींद को 6 अंकों से हराया। उधर, सर्कल स्टाईल कबड्डी (महिला) वर्ग का उद्घाटन मैच मारवाड़ी विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात तथा पहर विश्वविद्यालय उदयपुर, राजस्थान के बीच खेला गया। जिसमें हुए एकतरफा मुकाबले में मारवाड़ी विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात ने पहर विश्वविद्यालय उदयपुर, राजस्थान को 30-7 से शिकस्त दी। आयोजन सचिव एवं खेल निदेशक डॉ. शशि भूषण लूथरा ने प्रतियोगिता के दौरान चल रही गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। डीन ऑफ स्पोर्ट्स प्रो. आशीष अग्रवाल ने प्रतियोगिता की अध्यक्षता की। मंच संचालन कबड्डी खिलाड़ी राहुल गोगड़िया ने किया।

खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग : बैनीवाल

प्रतियोगिता के प्रथम सत्र सत्र का शुभारंभ संयुक्त रूप से ए.आई.यू. आब्जवर डा. शकुंतला बैनीवाल तथा सीआरएसयू जींद के खेल निदेशक डा. नरेश दलाल ने किया। खिलाड़ियों के परिचय उपरांत खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इससे हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है। आज खेल के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। प्रतियोगिता के दूसरे सत्र का शुभारम्भ हिसार के सीनीयर सीटीजन किशोरी लाल व राम मेहर पानू ने किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सहायक खेल निदेशक मृणालिनी नेहरा, प्रो. नीरज दिलबागी, कोच गंगादत्त यादव, ओम प्रकाश भादू, मंजीत सिंह, सुरेश कुमार, संदीप व बिमला देवी सहित अनेक गणमान्य लोग व विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शांति निकेतन के कैडेट्स का शानदार प्रदर्शन

आदमपुर। शांति निकेतन पब्लिक स्कूल, मंडी आदमपुर के एनसीसी कैडेट्स ने ए सर्टिफिकेट एग्जाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। सभी 21 कैडेट्स ने 'ए ग्रेड' प्राप्त कर सफलता हासिल की। विद्यालय के एनसीसी इंचार्ज मनोज कुमार ने बताया कि इनमें जूनियर विंग में दीया ने प्रथम स्थान, साक्षी ने द्वितीय स्थान तथा नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर डिवीजन में दक्ष ने प्रथम, परगट ने द्वितीय तथा कार्तिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रांगण में शनिवार को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन पपेंद्र ज्याणी एवं डायरेक्टर अनिरुद्ध बिश्नोई ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

लुवास में 9 और 10 को होगी नेशनल कन्वेंशन

- लुवास में 15वीं आइडिया कन्वेंशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी 9 से, देशभर वैज्ञानिक व शिक्षाविद् लेंगे हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, (लुवास) के डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा इंडियन डेयरी इंजीनियर्स एसोसिएशन (आइडिया) के तत्वावधान में 15वीं आईडिया कन्वेंशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 9 व 10 अप्रैल को किया जाएगा। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य विषय 'विकसित भारत @2047 के लिए डेयरी एवं फूड इंजीनियरिंग में नवाचार एवं समाधान' निर्धारित किया गया है। यह संगोष्ठी डेयरी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्ता, सुरक्षा, स्वचालन तथा सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहेगी। इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा हैं वहीं, डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. शरणगौड़ा बी. पाटिल इस आयोजन के चेयरपर्सन के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संगोष्ठी के आयोजन सचिव के रूप में डॉ. इंदु महत्वपूर्ण दायित्व निभा रही हैं। संगोष्ठी में देशभर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों एवं उद्योग विशेषज्ञों की सहभागिता रहेगी। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. एनएस राठौर (पूर्व कुलपति, उदयपुर), डॉ. एके पूनिया (निदेशक, आईसीएआर-एनआरसीसी, बीकानेर), डॉ. एके दीक्षित (सहायक महानिदेशक, आईसीएआर), डॉ. सुधीर उपरित (डीन, रायपुर) तथा डॉ. आरपी सिंह (सीईओ, फूड एवं बायोटेक इंजीनियर) शामिल होंगे।

समसामयिक विषयों पर होगी गहन चर्चा

सम्मेलन के दौरान डेयरी एवं फूड इंजीनियरिंग से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी, जिनमें उन्नत प्रसंस्करण तकनीकें, उद्यमिता एवं नीतिगत पहल, स्वचालन एवं रोबोटिक्स, फंक्शनल फूड्स एवं न्यूट्रास्यूटिकल्स, पैकेजिंग तकनीक, बाय-प्रोडक्ट्स का उपयोग, गुणवत्ता आश्वासन तथा प्लांट-आधारित खाद्य विकल्प जैसे विषय प्रमुख रहेंगे।
फोटो 4 एचएसआर 13: लुवास का प्रशासनिक भवन।

हिसार। लुवास का प्रशासनिक भवन।

मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिताएं भी होंगी

कार्यक्रम के अंतर्गत मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को अपने शोध एवं नवाचार प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस आयोजन में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों एवं उद्योगों का सहयोग प्राप्त है, जिनमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, अनुसंधान राष्ट्रीय फाउंडेशन नाबार्ड, आईडीबीआई बैंक, वीटा, वेरका सहित अन्य प्रमुख संस्थाएं शामिल हैं।

भगवान विष्णु ने तोड़ा नारद का अहंकार

हिसार। हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में नवाह्नपारायण रामायण पाठ करते पं. गिरधर गोपाल आसोपा व पं. सुशील आसोपा, उपस्थित श्रद्धालु। *फोटो :हरिभूमि*

- हनुमान मंदिर, नागोरी गेट में नवाह्नपारायण रामायण पाठ का दूसरा दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

हरियाणा कुरुक्षेत्र सनातन धर्म हनुमान मंदिर, नागोरी गेट के प्रांगण में चल रहे नवाह्नपारायण रामायण पाठ के द्वितीय दिवस की कथा का शुभारंभ संजीव कुमार व परिवारजनों द्वारा हनुमानजी की पूजा के साथ किया गया। इसके बाद पं. गिरधर गोपाल आसोपा व पं. सुशील आसोपा जोधपुर वालों ने नारदजी का मोह, नारद द्वारा काम पर विजय प्राप्त कर अहंकार होना, भगवान विष्णु द्वारा नारद का अहंकार खत्म करना, नारद द्वारा भगवान शिव के गणों को श्राप देना कि वह राक्षस बन जाए और भगवान को श्राप देना, रावण, कुंभकर्ण तथा विभीषण का जन्म, रावण द्वारा तपस्या करके वर प्राप्त करना, रावण द्वारा महात्माओं, ब्राह्मणों तथा देवताओं पर अत्याचार, ब्रह्म भोज, यज्ञ, हवन, श्राद्ध आदि में बाधा डालना व नष्ट करना, सभी देवताओं, पृथ्वी तथा गाय का प्रभु से रावण के संताप और अत्याचार से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना करना आदि प्रसंग मधुर संगीत के साथ सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुगध कर दिया। प्रातःकाल व सायंकाल पाठ के समापन पर प्रसाद वितरित किया गया।

आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह को ऊर्जा विभाग में अतिरिक्त जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह को ऊर्जा विभाग में अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी इस आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई और सूचना के लिए भेज दी गई है।

आदेश के अनुसार, वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह, जो वर्तमान में हरियाणा मिनरल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के प्रबंध निदेशक के साथ-साथ दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत हैं, को अब हरियाणा सरकार के ऊर्जा विभाग में विशेष सचिव के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

विक्रम सिंह।

यह नियुक्ति उनके वर्तमान कार्यों के अतिरिक्त होगी और उन्हें यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से सौंपी गई है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि यह पदस्थापना रिक्त पद के विरुद्ध की गई है। प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विक्रम सिंह को ऊर्जा विभाग में अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है।प्रशासनिक हलकों में इस निर्णय को ऊर्जा क्षेत्र में समन्वय और कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 15 मई को

कोषाध्यक्ष पद महिला अधिवक्ता के लिए आरक्षित

- ईवीएम से होंगे बार के चुनाव, तैयारी में जुटे रिटर्निंग ऑफिसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

जिला बार एसोसिएशन के वर्ष 2026-27 के वार्षिक चुनाव आगामी 15 मई को होंगे। यह निर्णय बार कार्यालय में आयोजित एडहॉक कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक में बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा के पत्र, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और महिला अधिवक्ताओं के आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

चुनाव अधिकारी बनाए गए एडवोकेट सुनील तिवारी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 मई को होने वाले मतदान में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष के पदों के लिए वोट डाले जाएंगे।

चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए अधिवक्ता सुनील कुमार तिवारी को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। उनके सहयोग के लिए सहायक रिटर्निंग ऑफिसर्स की भी नियुक्ति की गई है।

होगा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन

एडहॉक कमेटी ने फैसला लिया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से ही करवाए जाएंगे जिसकी सभी औपचारिकताएं चुनाव समिति द्वारा पूर्ण की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए कार्यकारिणी में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। इसी कड़ी में निर्वाचित कार्यकारिणी के पांच मुख्य पदों में से कोषाध्यक्ष का पद महिला अधिवक्ता के लिए आरक्षित रहेगा। पूरी कार्यकारिणी में सदस्यों की कुल संख्या अधिकतम 21 होगी। चुनाव में भाग लेने के लिए नामांकन शुल्क और अनुभव की शर्तें बार काउंसिल के नियमों के अनुसार ही रहेंगी।

चुनाव कार्यक्रम व महत्वपूर्ण तिथियां

चुनाव को लेकर एडहॉक कमेटी ने समय सीमा तय की है। इसके तहत जिन अधिवक्ताओं की वार्षिक सदस्यता (अप्रैल 2025 से मार्च 2026) लंबित है वे 10 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से अपनी राशि जमा करवा दें। इसके बाद किसी का अनुरोध स्वीकार नहीं होगा। मतदान का अधिकार पाने के लिए अधिवक्ताओं को 24 अप्रैल तक यह शपथ पत्र देना होगा कि वे किसी अन्य बार एसोसिएशन में वोट नहीं डालेंगे। प्रारंभिक मतदाता सूची 27 अप्रैल को और अंतिम मतदाता सूची 30 अप्रैल को जारी की जाएगी। नामांकन व चुनाव से संबंधित अन्य विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा एक मई को की जाएगी।

भगवान की सच्चे मन से आराधना करनी चाहिए : पंडित कृष्ण शरण

- भारत माता मंदिर में 5 अप्रैल के भंडारे की तैयारियां पूरी, शिव महापुराण कथा में उमड़े श्रद्धालु
- कृष्ण शरण शास्त्री ने भगवान के विविध रूपों व उनकी महिमा से करवाया साक्षात्कार

हिसार। भारत माता मंदिर में शिव महापुराण कथा करते कथा व्यास पंडित कृष्ण शरण शास्त्री व उपस्थित श्रद्धालुगण। *फोटो :हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

समाजसेवी स्व. चौ. फतेहचंद, स्व. माता हरबंस कौर एवं स्व. विजय शर्मा की स्मृति में भारत माता मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा के छठे दिन वृंदावन से पधारे कथा व्यास पंडित कृष्ण शरण शास्त्री महाराज ने भगवान के विविध रूपों व उनकी महिमा से साक्षात्कार करवाया। उन्होंने कहा कि भगवान की सच्चे मन से आराधना करनी चाहिए, वे किसी भक्त पर कभी भी कृपा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि भक्त का भाव होना चाहिए, उस भाव के वशीभूत भगवान पास चले आते हैं। शिव महापुराण कथा में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। रविवार 5 अप्रैल को प्रातः हवन के उपरांत प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस भंडारे की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भंडारे में विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों लोग हिस्सा लेंगे। शिव महापुराण कथा के छठे दिन भारत माता मंदिर के संरक्षक अनिल महत्ता, रामनिवास अग्रवाल सीए, राजेश जैन, पी. पी. शर्मा व चंद्रप्रकाश सहित लता सिंगल, मनोरमा गुप्ता, परवीन अरोड़ा, इंदु गोयल, ऊषा कथूरिया, कमला मित्तल, रेखा अग्रवाल, शीतल शर्मा, मीनाक्षी शर्मा, रेखा शर्मा, संतोष, कमलेश आदि रहे।

खबर संक्षेप

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता, शिक्षक एवं विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

जाट कॉलेज में छात्राओं को किया जागरूक

हिसार। छाजूराम मैमोरियल जाट कॉलेज की आंतरिक समिति के तत्वावधान में एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। समिति की संयोजक डॉ मीना कुमारी ने बताया कि व्याख्यान का उद्देश्य कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के अंतर्गत आने वाले व्यवहार एवं स्थितियों को सरल एवं स्पष्ट रूप से समझाना रहा। इस अवसर पर छाजूराम विधि महाविद्यालय से डॉ पूनम चहल ने वक्ता के तौर पर शिरकत की। उन्होंने पोश एक्ट 2013 विषय पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया। डॉ. पूनम चहल ने छात्राओं एवं स्टाफ को पोश एक्ट के प्रावधानों, अधिकारों एवं शिकायत निवारण की प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण बनाए रखना प्रत्येक संस्था की जिम्मेदारी है और इसके लिए जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार बाजिया के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में आंतरिक समिति के सदस्य डॉ. सुमन रानी, डॉ. नेहा दांगी, डॉ. चेतना ढुल, डॉ. मोनिका, डॉ.सुशील बजाज, डॉ.राकेश शर्मा एवं टीचिगं, नान टीचिगं सटाफ तथा छात्र उपस्थित रहे।

हिसार। प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी के साथ विजेता विद्यार्थी।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी में राजकीय महाविद्यालय छाया

हिसार। हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तत्वावधान में फतेहचंद महिला महाविद्यालय में आयोजित जोनल स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम का प्रतिनिधित्व बी.एस.सी. के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों लोकेश, साकेत एवं भावना ने किया। महाविद्यालय की साइंस सोसायटी की प्रेसीडेंट सविता रानी ने बताया कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 6 जिलों के विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 27 टीमों ने भाग लिया। टीम इंचार्ज डॉ. मुकेश कुमारी एवं कुलवंत ने प्रतियोगिता के दौरान दोनों टीमों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। मीडिया प्रभारी डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमें अब राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित होती हैं। महाविद्यालय लौटने पर विजेता टीम का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी, उप प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र सेवदा तथा समस्त प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों एवं साइंस सोसायटी के सदस्यों को बधाई दी।

अनुपमा अग्रवाल बनी भाविप केशव शाखा की अध्यक्षा, एडवोकेट अमित जैन बने सचिव

अनुपमा अग्रवाल।

अमित जैन

हिसार। भारत विकास परिषद की केशव शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। केशव शाखा परिवार की वर्तमान कार्यकारिणी के दो वर्ष पूर्ण होने पर संगठन की रीति-नीति के अनुसार प्रांतीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए नए पदाधिकारियों को चुना गया। अनुपमा अग्रवाल को अध्यक्षा, एडवोकेट अमित जैन को सचिव, वीरेंद्र लाहौरिया को वित्त सचिव व मीनाक्षी शर्मा को शाखा महिला संयोजिका का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष मुकेश बंसल, दीपक गौतम, मुकुल मित्तल व सविता जैन ने पिछले दो वर्ष तक सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि केशव शाखा ने राष्ट्र, धर्म व समाज के हित के लिए उल्लेखनीय कार्य किए और इससे समाज के बहुत से वर्ग लाभान्वित भी हुए। नव नियुक्त अध्यक्षा अनुपमा अग्रवाल ने कहा कि भाविप की केशव शाखा धर्मार्थ व जन सेवार्थ कार्यों के प्रति पूरी तरह समर्पित है। पहले की भांति सभी के सहयोग से इन कार्यों को अनवरत जारी रखा जाएगा। भारत विकास परिषद की केशव शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। केशव शाखा उन्होंने कहा कि ऐसे जनकल्याणकारी कार्यों में समाज के हर वर्ग को अपने स्तर पर बढ़-चढक़र योगदान देना चाहिए।

वैदिक मंत्रों की गूंज के साथ नए सत्र का शुभारंभ

उकलाना। सरस्वती हाई स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार हवन-यज्ञ के साथ बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव से किया गया। इस पावन अवसर पर स्कूल चेयरमैन डॉ. के. सी. शर्मा एवं उनकी धर्मपत्नी सावित्री शर्मा, स्कूल प्रिंसिपल पूनम धीमान, समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। हवन-यज्ञ के दौरान पूरे विद्यालय परिसर में वैदिक मंत्रों की गूंज से वातावरण आध्यात्मिक एवं सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। सरस्वती हाई स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुसार हवन-यज्ञ के साथसभी ने श्रद्धा भाव से यज्ञ में आहुति दी और विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य तथा विद्यार्थियों की सफलता के लिए प्रार्थना की।

खबर संक्षेप

दिव्यांग केंद्र में निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन कैंप लगा

हिसार। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में दिव्यांग केंद्र के अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों ने 20 लोगों की आंखों के सफेद मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन करके नेत्र ज्योति प्रदान की। इस अवसर पर यथासंभव दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। शिविर के दौरान दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग भी निःशुल्क वितरित किए गए। हरियाणा भारत विकास फाउंडेशन दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोशनलाल गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष सीए रामनिवास अग्रवाल ने दी कैंप की जानकारी।

हिसार में छाया सुपवा का फैशन शो, तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजा गुजवि ऑडिटोरियम

खास बातें

- गुजवि के ऑडिटोरियम में छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति पर लगातार बजती रही तालियां
- तीन दिवसीय साहित्योत्सव 'अक्षरम' की रचनात्मक साझीदार है सुपवा

हिसार। गुजवि के मुख्य ऑडिटोरियम में फैशन शो प्रस्तुत करते डीएलसीसुपवा के छात्र तथा ओपन थियेटर में 'अक्षरम' के दौरान प्रस्तुति देता सुपवा बैंड। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

यहां के गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय साहित्योत्सव 'अक्षरम' में दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स, रोहतक (डीएलसीसुपवा) के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। मेन ऑडिटोरियम का मंच सुपवा के छात्र-छात्राओं के फैशन शो के दौरान रैंप ऑडिटोरियम में बदलता हुआ महसूस हुआ। यहां छात्रों ने प्रोफेशनल मॉडल की भांति वॉक करते हुए पारंपरिक व आधुनिक भारतीय परिधान पेश किए। इस दौरान सभागार लगातार तालियां से गूंजता रहा।

डीएलसीसुपवा, रोहतक को गुजवि हिसार ने 'अक्षरम' के लिए रचनात्मक साझीदार बनाया हुआ है। इसमें शिरकत करने के लिए कुलगुरु डॉ. अमित आर्य की अगुवाई में सुपवा से 140 छात्र-छात्राएं, फैकेल्टी सदस्य व अन्य स्टाफ हिसार आया है। डॉ. आर्य 'अक्षरम' के उद्घाटन सत्र में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर मंचासीन रहे। यहां अलग-अलग मंचों पर सुपवा के छात्र-छात्राओं की विभिन्न प्रस्तुतियों को स्थान दिया गया। 'अक्षरम' के दूसरे दिन शनिवार को सुपवा के छात्र-छात्राओं को फैशन शो करने के लिए डेढ़ घंटे का समय अलॉट किया गया। इस दौरान रंग-बिरंगी रोशनी व अलग-अलग म्यूजिक की बीट्स पर सधे हुए कदमों के साथ छात्र-छात्राओं ने कैटवॉक की। फैशन शो के दौरान मॉडल की तरह छात्रों ने विशेष तौर पर डिजाइन किए गए कपड़ों व अन्य उत्पाद के साथ आत्मविश्वास, सीधी पीठ व लयबद्ध कदमों के साथ वॉक की।

सुपवा बैंड की धुनों पर थिरकी जीजेयू

'अक्षरम' के पहले दिन रात 9:30 बजे से 11:30 बजे तक ओपन थियेटर में सुपवा बैंड ने करीब दो घंटे की रंगारंग प्रस्तुति दी। बैंड ने 'शिव शिव शंकरा' से भगवान शिव को प्रणाम करते हुए अपनी प्रस्तुतियों की शुरुआत की। इस दौरान नए-पुराने फिल्मी गीतों के अलावा रैप सॉन्ग भी अपने अंदाज में पेश किए। जीजेयू के छात्रों की भारी मौजूदगी व उनकी पुरजोर मांग के कारण यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने रात 11:30 बजे तक सुपवा बैंड की प्रस्तुति जारी रखने की इजाजत दी। इस दौरान सुपवा बैंड की जमकर सराहना हुई।

उपायुक्त ने राजस्व कार्यों की प्रगति का जायजा लिया

राजस्व कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं, जल्द करें समाधान

उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा कि शनिवार और अन्य अवकाश के दिनों में भी विशेष अभियान चलाकर इंतकाल मामले निपटाए जाएं।

हिसार। राजस्व कार्यों का अपडेट लेते डीसी महेंद्र पाल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

उपायुक्त महेंद्र पाल ने शनिवार को राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक ली और जिले में चल रहे विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को लंबित मामलों को मिशन मोड में निपटाने के सख्त निर्देश दिए। उपायुक्त ने जमाबंदी, इंतकाल (म्यूटेशन) और आबियाना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा करते हुए पाया कि कुछ क्षेत्रों में मामले लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व रिकॉर्ड का अपडेशन महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्हें अवगत कराया गया कि 24 मार्च से 4 अप्रैल तक 2000 इंतकाल मामलों का निपटान किया गया है। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन इंतकालों पर कोई विवाद नहीं है, उन्हें तुरंत तस्दीक किया जाए। शनिवार और अन्य अवकाश के दिनों में भी विशेष अभियान चलाकर इंतकाल मामले निपटाए जाएं।

डीसी ने दी चेतावनी

उपायुक्त ने कहा कि यदि आगामी बैठक तक कार्यों में अपेक्षित सुधार नहीं दिखा, तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड विजिट बढ़ाने और पटवारियों के कार्यों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए। इस बैठक में जिले के सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कानूनगो और राजस्व विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आम जनता को न हो परेशानी

बैठक में उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा, /"प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम नागरिक को त्वरित और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है। लोगों को अपने छोटे-छोटे राजस्व कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर न काटने पड़ें, यह सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है।

पेंडेंसी की रिपोर्ट रोजाना चेक करने के निर्देश

उन्होंने तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्यालयों में पेंडेंसी की रिपोर्ट रोजाना चेक करें। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सरकारी बकाया राशि के संग्रह में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व का समय पर संग्रह विकास कार्यों के लिए अनिवार्य है। फील्ड स्टाफ और पटवारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में जाकर प्रक्रिया को गति दें।

व्यक्ति को दान करते रहना चाहिए : स्वामी

हमें गुरु के दिखाए मार्ग पर चल कर भलाई के कार्यों में लगना चाहिए

हिसार। प्रवचन करते स्वामी सत्यानन्द महाराज। फोटो : हरिभूमि

- गोयंका सेवा सदन में पांचवे दिन भी संत प्रवचन समागम जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

अखिल भारतीय सोहम महामंडल शाखा हिसार के तत्त्वावधान में गोयंका सेवा सदन देवी भवन के प्रांगण में प्रारंभ हुए सात दिवसीय संत सम्मेलन के पांचवे दिन भगवान श्री भोले बाबा के जयकारों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सत्संग को सुना। इस अवसर पर महामंडलेश्वर श्री स्वामी विवेकानंद जी महाराज के कृपापात्र सोहं पीठाधीश्वर स्वामी सत्यानन्द महाराज ने अनेक तर्कों से दान की महिमा का उल्लेख किया और कहा कि व्यक्ति को यथासंभव योग्य व्यक्ति को दान करते रहना चाहिए। दानवीर बलि, हरिश्चंद्र, कर्ण आदि के उदाहरण भी दिए। स्वामी सत्यानंद ने कहा कि इन सभी ने दान के आधार पर ही अपना यश जगत में फैलाया। दानी व्यक्ति की समाज मे विशेष चर्चा होती है। इसके अलावा महाराज श्री ने भंडारे पर भी विशेष चर्चा की। इसके अलावा महाराज जी ने लघुकथा सुना कर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में मेयर प्रवीण पोपली मुख्य मेहमान के रूप में उपस्थित हुए। मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि गुरु ही व्यक्ति को सही मार्ग दिखता है, हमें गुरु के दिखाए मार्ग पर चल कर भलाई के कार्यों में अग्रसर रहना चाहिए व नाम सिमरण करना चाहिए व अपने इष्ट देवता के अधीन होकर पूजन करना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नगर निगम पार्षद नवीन कुमार, राकेश गर्ग, रामकुमार रावलवासिया, इंद्र चंद राठी, हनुमान राठी, रामकुमार सैनी, शिव कुमार गोयल, महामंत्री इत्यादि श्रद्धालुओं ने संत महापुरुषों को माला पहनाकर आशीर्वाद

न्यूज डायरी

कृष्णा देवी गुरुकुल स्कूल ने स्थापना दिवस मनाया

उकलाना। कृष्णा देवी गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में आठवें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर हवन-यज्ञ का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। यह आयोजन विद्यालय परिसर में धार्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ, जिसमें विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक बलवान सिंह धायल, प्रबंधन समिति के सम्मानित सदस्य, शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन से हुई। पूरे विधि-विधान से संपन्न इस हवन में विद्यालय की उन्नति, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा समाज की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। हवन के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय एवं सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। विद्यालय के निदेशक बलवान सिंह धायल ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं।

श्री काली देवी विद्या मंदिर में नए सत्र का शुभारंभ

हांसी। श्री काली देवी विद्या मंदिर में शनिवार को नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं मंगलमय वातावरण में किया गया। सत्रारंभ के पावन अवसर पर विद्यालय परिसर में विधिवत पूजा-अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय प्राचार्या गीता मेहता, अध्यापक, विद्यार्थी तथा अन्य स्टाफ सदस्य श्रद्धापूर्वक उपस्थित रहे। पूजा-अनुष्ठान के दौरान विद्यालय परिवार ने मां काली, मां सरस्वती एवं भगवान गणेश से नए सत्र की सफलता, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य तथा विद्यालय की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। वैदिक मंत्रोच्चारण से समूचा विद्यालय परिसर भक्तिमय एवं सकारात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। इस अवसर पर प्राचार्या गीता मेहता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नया शैक्षणिक सत्र नई ऊर्जा, नए लक्ष्य और नई उपलब्धियों का संदेश लेकर आता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम एवं संस्कारों के साथ अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त करने का आह्वान किया।

हांसी प्राइवेट स्कूल संघ के तीसरी बार प्रधान बने रविन्द्र

हांसी। प्राइवेट स्कूल संघ हांसी के मुख्य संरक्षक अनिल कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को मीटिंग का आयोजन किया गया। संरक्षक अनिल कुमार ने प्रधान रविन्द्र अत्री द्वारा पूर्व में दो वर्ष में किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर संघ कोषाध्यक्ष रामअवतार ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। इसके पश्चात आगामी दो वर्ष के लिए सर्वसम्मति से उपस्थित सभी स्कूल संचालकों ने गायत्री विद्या मन्दिर स्कूल के उप-निदेशक रविन्द्र अत्री को प्रधान बनाए जाने की मांग की। जिस पर सभी ने सर्वसम्मति से रविन्द्र अत्री को हांसी प्राईवेट स्कूल संघ का आगामी दो सालों के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया और नव नियुक्त प्रधान रविन्द्र अत्री को अपनी नई कार्यकारिणी का गठन करने का ओर नए सदस्यों को शामिल करने का अधिकार भी सर्वसम्मति से दिया गया।

नारनौंद में लगी पहली फैमिली कोर्ट

नारनौंद। क्षेत्र के लोगों को अब पारिवारिक मामलों के लिए हांसी नहीं जाना पड़ेगा। नारनौंद के एसडीएम कोर्ट परिसर में फैमिली कोर्ट की शुरुआत कर दी गई है। पहले ही दिन कैंप कोर्ट लगाकर मामलों की सुनवाई भी की गई। यह कोर्ट महीने के पहले व तीसरे शनिवार को लगेगी। हिसार फैमिली कोर्ट की प्रिंसिपल जज ईशा खत्री ने नारनौंद पहुंचकर कोर्ट की कार्रवाई का संचालन किया। उन्होंने पारिवारिक विवादों से जुड़े मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अब हर महीने के पहले और आखिरी शनिवार को नारनौंद में फैमिली कोर्ट की कैंप कोर्ट लगाई जाएगी। इससे नारनौंद, बास और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

भगवान अरहनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का भव्य शिलान्यास

हिसार। हरियाणा प्रांत के प्रथम श्री 1008 भगवान अरहनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का भव्य शिलान्यास शनिवार को समवशरणम मोक्ष वृद्धाश्रम, पंचमुखी हनुमान मंदिर के निकट, गांव चौधरीवास में धार्मिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर जैन समाज में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। शिलान्यास समारोह आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के संघ से आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज, मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज एवं निर्यापक मुनि श्री 108 वीरसागर जी महाराज के आशीर्वाद में सम्पन्न हुआ। वहीं बाल ब्रह्मचारी, प्रतिष्ठारत्न नितिन भैया जी (खुरई, उत्तरप्रदेश) के कुशल निर्देशन में विधिवत शिलान्यास कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य शिलान्यासकर्ता दिल्ली ग्रीन पार्क निवासी महेंद्र कुमार जैन एवं त्रिशला जैन परिवार रहे, जिनके सहयोग से मंदिर निर्माण कार्य शुरू किया गया।

मंडी में किसानों को नहीं होगी कोई परेशानी

- चेयरमैन ने गेहूं खरीद के लिए खरीद एजेंसी के नहीं आने पर की शिकायत

नारनौंद। मार्केट कमेटी कार्यालय में बैठक करते हुए चेयरमैन उदय सिंह लोहान व अन्य किसान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौंद

अनाज मंडी में किसानों को कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। इसके लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दे दिए गए हैं। यह बात मार्केट कमेटी के चेयरमैन मास्टर उदय सिंह लोहान ने अनाज मंडी कार्यालय में बातचीत करते हुए कही। उन्होंने बताया कि अनाज मंडी में गेहूं की फसल आनी शुरू हो गई है लेकिन पहले दिन कोई भी खरीद एजेंसी खरीद करने के लिए नहीं पहुंची इसके लिए उच्च अधिकारियों को शिकायत की गई है। किसानों को अनाज मंडी में आने पर फसल बेचने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। इसके लिए अधिकारियों और आढ़तियों के साथ बैठक भी की है। किसानों और आढ़तियों को खरीद की प्रक्रिया पूरी तरह से समझा दी गई है। मंडी 24 घंटे खुली रहेगी। किसान जब भी चाहे मंडी में आ सकता है। उसको गेट पास उपलब्ध करवा दिया जाएगा। किसानों के लिए रेस्ट हाउस भी खुलवा दिया गया है। किसी भी किसान को आराम करना है तो वह रेस्ट हाउस में आराम कर सकता है। पीने के पानी और बिजली की व्यवस्था भी दुरुस्त करवा दी गई है। किसान को मंडी में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसके लिए सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। मार्केट कमेटी सचिव रवि श्योराण ने बताया कि किसान और आढ़तियों को पूरी प्रक्रिया समझाई गई है। किसी भी किसान को कोई परेशानी आए तो वह तुरंत मार्केट कमेटी के कार्यालय में संपर्क करके शिकायत कर सकता है। इस अवसर पर आढ़ती यूनियन के प्रधान सुनील लोहान, जगदीश पूनिया, सत्यनारायण, कर्मबीर, सतबीर शर्मा, कृष्ण दुहन, परवीन दुहन, दीपक लोहान आदि मौजूद थे।

अनाज मंडियों पर नए नियमों के खिलाफ किसानों का विरोध

- सरकार द्वारा अनाज मंडियों पर लागू नया कानून किसानों के हित में नहीं : सुरेश कोथ

नारनौंद। अनाज मंडी किसान बैठक करके हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

भारतीय किसान मजदूरी यूनियन व संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर बैठक शनिवार को खेड़ी चौपटा की अनाज मंडी में आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता किसान नेता सुरेश कोथ ने की। बैठक में क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने भाग लेते हुए सरकार द्वारा अनाज मंडियों में लागू किए गए नए नियमों का जोरदार विरोध किया। किसानों ने एक स्वर में इन नियमों को किसान विरोधी बताते हुए इन्हें किसी भी कीमत पर न मानने की चेतावनी दी। बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कोथ ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को परेशान करने के लिए आए दिन नए कानून थोप रही है । जो नए कानून लागू किए गए हैं। वह किसान के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले जिस प्रकार किसान अपनी फसल सीधे अनाज मंडियों में लेकर आता था, उसी व्यवस्था को जारी रखा जाएगा। किसान अपनी गेहूं की फसल सीधे मंडी में ही लेकर आएंगे। गेट पास कटवाने जैसी जिम्मेदारी आढ़तियों की होती है और किसान का काम केवल अपनी फसल मंडी तक पहुंचाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसान अब चुप नहीं बैठेगा अगर सभी कानून वापिस नहीं लिए तो बड़ा आंदोलन करने के तैयार है।

नशा युवा पीढ़ी के जीवन को बनाता नर्कमय

एसपी ने युवाओं को दी नशे से दूर रहने की सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हांसी

विनोद कुमार, एसपी

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने जिले के युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी घातक बुराई है, जो धीरे-धीरे युवा पीढ़ी के जीवन, स्वास्थ्य और करियर को पूरी तरह बर्बाद कर देती है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर शौक या दोस्तों के दबाव में होती है, लेकिन यह कब लत का रूप ले लेती है, इसका पता ही नहीं चलता। नशे के कारण मानसिक तनाव, शारीरिक कमजोरी, आर्थिक संकट तथा पारिवारिक विवाद जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जो व्यक्ति के भविष्य को अंधकारमय बना देती हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आज के युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों में लगाएं, तो वे न केवल अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं, बल्कि समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें, उनकी संगति पर विशेष ध्यान दें तथा समय-समय पर उनसे संवाद बनाए रखें, ताकि वे किसी भी गलत दिशा में न जाएं।

भारत समृद्ध सांस्कृतिक की परंपरा का प्रतीक

पंचनद शोध संस्थान संस्कृति को बना रहा सुदृढ़

पंच परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

हिसार। संगोष्ठी में उपस्थित अधिकारी एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

पंचनद शोध संस्थान अध्ययन केन्द्र की ओर से संगोष्ठी आयोजित की गई। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। गोष्ठी में राज्य सूचना आयुक्त हरियाणा एवं पंचनद शोध संस्थान हिसार के अध्यक्ष प्रो. जगबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

प्रो. बृज किशोर कुठियाला ने अपने संबोधन में कहा कि पंचनद शोध संस्थान भारतीय संस्कृति, इतिहास और राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य कर रहा है। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारी परंपराएं और मूल्य अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, तब संस्थान की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। हमारा देश केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। प्रो. कुठियाला ने कहा कि पंचनद शोध संस्थान इसी विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके बौद्धिक वर्ग पर निर्भर करती है। यदि समाज में विचारशीलता, जागरूकता और सही दिशा का अभाव हो, तो विकास अधूरा रह जाता है। यह संस्थान युवाओं में विचार करने, प्रश्न उठाने और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा देता है। हम अपने इतिहास को समझें और अपने मूल्यों को अपनाएं। जब हम अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक होंगे, तभी हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर पाएंगे। पंचनद शोध संस्थान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

ये रहे मौजूद

प्रो. जगबीर सिंह ने पंचनद शोध संस्थान द्वारा समाज एवं राष्ट्र के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संगोष्ठी में महिला आयाम की प्रमुख प्रो. मुदिता वर्मा, मार्गदर्शक ज्ञानचंद बंसल, डॉ. रविन्द्र सैनी, डॉ. विवेक श्रीवास्तव, मीडिया सलाहकार डॉ. संदीप आर्य, सचिव डॉ. मोहित कुमार, प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी, एफसी कॉलेज की प्राचार्या अनीता सहरावत सहित संस्थान के अनेक पदाधिकारी व श्रोतागण मौजूद रहे।